

गुजरात से रामनगरी साइकिल चलाकर पहुंचा भक्त सहदेव

दो महीने में चलाई 2000 किमी

प्रभु श्रीराम की लगन इस कदर लगी कि दो माह में 2000 किमी से अधिक दूरी साइकिल से तय करके रामनगरी पहुंच गए। मन में आस्था की हिलों से संग गुजरात के युवा सहदेव यश पटेल साइकिल से अयोध्या पहुंचे। साइकिल पर भगवा ध्वज धारण किए सहदेव की हर पैदल पर मुख से जय श्रीराम का उद्घाप निरलता रहा और आस्था के पथ पर उनके पाव कहीं नहीं डॉग।



उनका मामना है कि 500 वर्ष के बाद ऐसा रामयुग आया है जिसका साक्षी बनने के लिए बिना न्यौते के रामनगरी पहुंच गया।

आगमी 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है। गुजरात के सहदेव के मन में राम दर्शन की धून सवार हुई और 14 नवम्बर को साइकिल से बिना पैसे के घर से निकल पड़ा सहदेव हरिद्वार स्थान के बाद उज्ज्वल, मथुरा, भौलेश्वरनाथ होकर रामनगरी पहुंचे। उन्होंने विश्राम के लिए मंदिरों को ही छिकाना बनाया और रथि विश्राम के बाद पुनर साइकिल से अगले पड़ोब के लिए निकल पड़ते थे। सहदेव की माने तो इन्हें बिना पैसे के बाद भी राह में कोई बाधा नहीं आई।



ये दिल, ये धड़कन,
ये मन, सब राम के हवाले
ये घर, ये कारोबार, ये जीवन,
सब राम जी ही संभाले !!

नमामि इंटरप्राइजेज

मानसरोवर रेस्टरेंट के बाजू में इंदौर रोड, हरदा

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में प्रभु
की प्राण प्रतिष्ठा समारोह

की आसीन मन्त्रों को
हार्ष्णु शुभकामनाये

विशेष ऑफर के साथ

हमारे शोरूम पर
आईए और लीजिए

- ◆ आलमारी
- ◆ प्लास्टिक की कुर्सी
- ◆ फर्नीचर
- ◆ स्टडी टेबल
- ◆ सोफा सेट
- ◆ भगवान के मंदिर
- ◆ डबल एवं सिंगल बेड

बनता है हर काम राम तुम्हारे चरणों में, करते हैं बारमार प्रणाम तुम्हारे चरणों में!!

**अयोध्या भव्य राम मंदिर में
श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह**

22 जनवरी 2024 की आप सभी राम भक्तों को
हार्दिक शुभकामनाएं



सौजन्य: समस्त साथीगण दिलबार ग्रुप, हरदा

कृपया आज के अंक को पढ़ने के उपरांत संकलित करके स्क्रोल, रद्दी करने से बचाए। चूंकि इसमें प्रभुश्री के चित्र एवं लेखन प्रकाशित किया गया है। - निवेदक: सभी भक्तगण



राम मंदिर के लिए 30 साल से मौन व्रत

झारखंड की 85 वर्षीय महिला 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अपना 30 साल का व्रत तोड़ेगी। बुजुर्ग ने साल 1992 में राम मंदिर के बनने के लिए भूमि व्रत धारण किया था। अब 22 जनवरी को उनका सपना सच होने के बाद तीन दशक से जारी अपना मौन व्रत तोड़ेगी। मंदिर का उद्घाटन देखने के लिए धनबाद निवासी सरस्वती देवी सोमवार रात ट्रेन से उत्तर प्रदेश के अयोध्या के लिए रवाना हुईं।

बुजुर्ग महिला सरस्वती देवी के परिवार ने बताया कि 1992 में जिस दिन बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया था, उसी दिन सरस्वती देवी ने प्रतिज्ञा की थी कि वह मौन व्रत तीन तोड़ेंगी जब राम मंदिर का उद्घाटन होगा। देवी को अयोध्या में मौन व्रत का नाम से जाना जाता है। वह सांकेतिक भाषा के माध्यम से परिवार के सदस्यों के साथ संवाद करती हैं। वह लिखकर भी लोगों से बात करती हैं लेकिं जटिल वाक्य लिखती हैं।

उन्होंने % मौन व्रत % से कछु समय का विराम लिया था और 2020 तक हर दिन दोपहर में एक घंटे बोलती थीं। लेकिन जिस दिन प्रधानमंत्री

बुजुर्ग महिला सरस्वती देवी के परिवार ने बताया कि 1992 में जिस दिन बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया था, उसी दिन सरस्वती देवी ने प्रतिज्ञा की थी कि वह मौन व्रत तीन तोड़ेंगी जब राम मंदिर का उद्घाटन होगा।

नरेन्द्र मोदी ने मंदिर की नींव रखी उस दिन से उन्होंने पूरे दिन का मौन धारण कर लिया। बुजुर्ग सरस्वती देवी के सबसे छोटे बेटे बेटे 55 वर्षीय हरराम अग्रवाल ने मीटिंग से बात करते हुए बताया, छठ दिवंगीर, 1992 को जब बाबरी मस्जिद को ध्वस्त किया गया था तब मेरी मां ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण तक मौन धारण की शपथ ली थी। जब से मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की तारीख वो धारण की गई है तब से वह बहुत खुश है। बायागांग लॉक्स के भौंग निवासी हरराम ने कहा, वह सोमवार रात धनबाद रेलवे स्टेशन से गंगा-सतलाय एक्सप्रेस से अयोध्या के लिए रवाना हुई। वह 22 जनवरी को अपना मौन तोड़ेंगी। उन्होंने कहा कि देवी को मंत्र नृत्य गोपाल दास के शिष्यों ने राम मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। परिजनों ने कहा कि चार बेटियों सहित आठ बच्चों को मां सरस्वती देवी ने 1986 में अपने पाते देवकी-नंदन अग्रवाल के मृत्यु के बाद अपना जीवन भगवान राम को समर्पित कर दिया और अपना अधिकांश समय तीर्थयात्राओं में बिताया। वो अभी अपने दूसरे बेटे

22 जनवरी को पूरी होगी
बुजुर्ग महिला की शपथ

नंदलाल अग्रवाल के साथ धनबाद के धैया में रह रही है। नंदलाल को पाती इन्होंने अग्रवाल (53) ने कहा कि शादी के कुछ महिने बाद ही उन्होंने अपने व्रत धारण करते हुए देखा। इन्होंने अग्रवाल ने बताया, वैसे तो हम उनकी ज्यादातर सांकेतिक भाषा समझ लेते हैं और लेकिन वह लिखकर जो बात करती हैं उसमें कठिन शब्द लिख देती हैं। उन्होंने कहा, बाबरी मस्जिद के विवरण के बाद मेरी सास को अयोध्या का दौरा किया और राम मंदिर के निर्माण तक मौन व्रत का संकल्प लिया। वह दिन में 23 घंटे मौन रहती हैं। दोपहर में केवल एक घंटे का विराम लेती है। बाकी समय वह कलम और कागज के माध्यम से हमसे संवाद करती हैं।

श्रीराम



श्री राम चंद्र कृपालु भजमन हरण भव भय दारुणम्।
नवकंज लोचन, कंज मुख, कर कंज, पद कन्जारुणम् ॥॥॥

कंदर्प अगणित अमित छवी नव नील नीरज सुन्दरम्।

अयोध्या के भव्य राम मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह

एवं गणतंत्र दिवस की
बहुत-बहुत बधाई एवं
शुभकामनाएं



MODEL PUBLIC HIGHER SECONDARY SCHOOL

CREATING A PATH OF FUTURE

Play Group | Nursery - 12th Class

ENGLISH/HINDI MEDIUM

- MATHS
 - COMMERCE
 - ARTS
- Mob. : 9977733381, 7999861954



FOR MORE INFORMATION
PLEASE CONTACT



Shayma Nagar Colony, Behind Jila Panchayat Bhawan, Bypass Road, Harda - 461331